अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2025-26

हिंदी (ऐच्छिक)
कोड संख्या (002)
कक्षा–बारहवीं

निर्धारित समय: 03 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश :-

- अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
- वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।
- वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।
- यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ ।
- मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न	**खंड – क (अपठित बोध)**	**अंक**
1. (क)	(iv) सामाजिक प्रतिष्ठित शैली	**1**
(ख)	(ii) केवल कथन (II) और (IV) सही हैं।	**1**
(ग)	(i) असभ्य होना	**1**
(घ)	सभ्य होने की प्रक्रिया	**1**
(ङ)	कि हम एक निश्चित तरीके से जीवन जिएँ, जो कि हमारी स्वयं की प्रकृति का एक छोटा सा स्वरूप होता है।	**2**
(च)	हमारे अंदर छिपे साधारण मानव को हमसे दूर करके संस्कृति हमें एक जटिल सी शक्ति दे देती है।	**2**
(छ)	क्योंकि हमारी संस्कृति हमें एक विशिष्ट प्रकार से जीने के लिए ज़ोर देती है। ज्ञान का भंडार पा लेने के बाद वर्षों की सभ्यता से शायद यही हमें विरासत में मिला है।	**2**
2. (क)	(iv) कवि के विचार	**1**
(ख)	(iv) सामान्य जन के भाव लिखना	**1**
(ग)	(ii) पाप को कर लक्ष्य कर दे झूठ को सपना।	**1**
(घ)	विंध्य, रेवा, फूल, फल, बरसात या गर्मी, प्यार प्रिय का, कष्ट–कारा, क्रोध या नरमी, छात्र इन पक्तियों के आधार पर अपने शब्दों में उत्तर लिखेंगे।	**1**
(ङ)	कवि सृजनात्मकता का महत्व बता रहे हैं। यहाँ बीज से तात्पर्य विचारों से है। विचार इतने गहन और सार्थक हों कि वे व्यापक रूप से फैलें और समाज में बदलाव लाएँ।	**2**

(च)	मनोभावों को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्ति प्रदान करना एवं समाज में आवश्यक परिवर्तन लाना।	2
	खंड- ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक के आधार पर)	
3. (क)	• जब घटना के दृश्य या विजुअल मिल जाते हैं तब उन दृश्यों के आधार पर खबर लिखी जाती है, जो एंकर पड़ता है पूर्ण विराम पढ़ता है. इस खबर की शुरुआत प्रारंभिक सूचना से होती है और बाद में कुछ वाक्यों पर प्राप्त दृश्य दिखाए जाते हैं।	1
(ख)	• सरल, सहज, गरिमापूर्ण भाषा • तारतम्यता आवश्यक • निम्नलिखित, उपरोक्त, क्रमांक, अथवा, किंतु, परंतु जैसी शब्दावली से बचाव • गैर ज़रूरी विशेषणों, सामासिक और तत्सम शब्दों से बचाव	2
(ग)	• संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी दिलचस्पी और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं। उदाहरण के लिए खेल में रुचि रखने वाले संवाददाता की बीट खेल है तो उसको खेल संबंधी घटनाओं की रिपोर्टिंग करनी होगी।	2
4. (क)	• सरल और बोधगम्य • क्षेत्र विशेष का विशिष्ट ज्ञान • तकनीकी शब्दावली में विषय से संबंधित भाषा पर अधिकार • तकनीकी शब्दावली को भी प्रचलित सरल शब्दों में लिखना	2x3=6
(ख)	• फ़ीचर लेखन का कोई निश्चित ढाँचा नहीं • आमतौर पर तथ्यों, सूचनाओं और विचारों पर आधारित कथात्मक विवरण • भाषा-सरल, रूपात्मक एवं आकर्षक • फ़ीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग	
(ग)	• उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय उपयोगी और बुनियादी शैली इसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरंभ में	
5.	किसी एक विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन - • विषयवस्तु : 3 अंक • भाषा : 1 अंक	5

	• प्रस्तुति : 1अंक	
6. (क)	किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 60 शब्दों में आपेक्षित - • बिंब और छंद (आंतरिक लय) • कविता को इंद्रियों से पकड़ने में सहायक • बाह्य संवेदनाओं का मन के स्तर पर बदलाव • विशेष शब्दों को सुनकर मन के भीतर चित्रों का कौंधना, इन्हीं के द्वारा कविता के बिंब का निर्माण	2x3=6 3
(ख)	कथानक के अनुसार कहानी चरम उत्कर्ष अर्थात क्लाइमेक्स की ओर बढ़ती है। चरम उत्कर्ष का चित्रण बहुत ध्यानपूर्वक करना चाहिए, क्योंकि भावों या पात्रों के अतिरिक्त अभिव्यक्ति चरम उत्कर्ष के प्रभाव को कम कर सकती है। कहानीकार की प्रतिबद्धता या उद्देश्य की पूर्ति के प्रति अतिरिक्त आग्रह कहानी को भाषण में बदल सकते हैं। सर्वोत्तम यह होता है कि चरम उत्कर्ष पाठक को स्वयं सोचने और लेखकीय पक्षधर की ओर आने के लिए प्रेरित करें लेकिन पाठक को यह भी लगे कि उसे स्वतंत्रता दी गई है और उसने जो निर्णय निकाले हैं, वे उसके अपने हैं।	3
(ग)	• नाटक कहानी या उपन्यास की तरह वर्णित विधा नहीं • नाटक में मौन, संक्षिप्त और सांकेतिक भाषा का महत्त्व • वर्णित भाषा से अधिक मौन में व्यंजनात्मकता व क्रियात्मकता अधिक	3
	खंड- ग (पाठ्य पुस्तकों अंतरा, अंतराल के आधार पर)	
7. (क)	(i) व्यक्ति	1
(ख)	(iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
(ग)	(ii) समष्टि	1
(घ)	(i) की सत्ता का सार्वभौमीकरण।	1
(ङ)	(i) गोताखोर	1
8. (क)	किन्ही तीन प्रश्नो में से दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में आपेक्षित - हार/निराशा के कारण - • हूणों के आक्रमण में देवसेना के परिवार का नष्ट होना • स्कंदगुप्त से प्रेम में मिली असफलता • जीवन की विपरीत परिस्थितियों में मिली असफलता	2x2=4 2
(ख)	सरोज का विवाह अन्य विवाहों से भिन्न - • अन्य विवाहों की तरह सगे-संबंधी नहीं बुलाए गए	2

	• शादी से पहले के रीति-रिवाज़ इत्यादि नहीं हुए • माँ द्वारा निभाई जाने वाली रस्में भी निराला ने स्वयं निभाई	
(ग)	राम के प्रति श्रद्धा भाव को प्रकट करने के लिए भरत ने कहा - • राम अपराधी पर भी क्रोध नहीं करते • भरत पर राम की विशेष कृपा व स्नेह • श्री राम और भरत का अटूट साथ • श्री राम के प्रति अनन्य श्रद्धा भाव	2
9.	किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित - • संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	6
10. (क)	(i) विस्थापन की समस्या	1
(ख)	(iii) स्वार्थलोलुपता	1
(ग)	(ii) नवागाँव	1
(घ)	(iii) अपने मूल स्थान से उजड़े लोग	1
(ङ)	(iv) कथन और कारण दोनों सही हैं। कारण कथन की सही व्याख्या है।	1
11. (क)	किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 40 शब्दों में आपेक्षित - लेखक की भेंट पंडित केदारनाथ जी पाठक से काशी में एक बारात में हुई थी। लेखक केदारनाथ जी पाठक के पुस्तकालय में भी आया जाया करते थे। जब लेखक को पता चला कि केदारनाथ जी भारतेंदु जी से जब लेखक को यह पता चला कि केदारनाथ जी का परिचय भारतेंदु जी के साथ है तो वे भावनाओं में खो गए। वह बड़े कुतूहल भाव से भारतेंदु जी के मकान को निहारने लगे। उनकी यह भावुकता देखकर केदारनाथ जी प्रभावित हुए और वे दोनों के मित्र बन गए। यहीं से लेखक की हिंदी प्रेमियों की मंडली बननी शुरू हो गई और यह लेखक के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव था।	2x2=4 2
(ख)	हरिद्वार के मंदिर में संभव और पारो एक साथ प्रार्थना के लिए खड़े थे। पारो ने स्वयं के लिए 'हम' शब्द का प्रयोग किया जिसके कारण पंडित जी ने दोनों को पति-पत्नी समझा। पुजारी ने लड़की के 'हम' को युगल के अर्थ में सुखी रहने, फूलने-फलने, जब भी आना साथ ही आना, गंगा मैया मनोरथ पूरी करें का आशीर्वाद दिया।	2
(ग)	• भेदभाव रहित आतिथ्य सत्कार • विनम्रता और सरलता • 'अतिथि देवो भव' की भावना • सेवाभाव	2

12.	किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित - • संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) • प्रसंग :1 अंक (पूर्वापर संबंध) • व्याख्या :3 अंक • विशेष :1 अंक	6
13. (क)	किन्ही दो प्रश्नो के उत्तर लगभग 100 शब्दों में आपेक्षित - सूरदास जानता था कि उससे बदला लेने के लिए उसकी झोपड़ी में आग भैरव ने ही लगाई है। इस कथन के आलोक में सूरदास के चरित्र द्वारा विभिन्न जीवन मूल्य प्राप्त होते हैं। • सहनशीलता • कर्मशीलता • दृढ़ संकल्प • तुरंत निर्णय लेने की क्षमता जुझारूपन • विपरीत परिस्थितियों में हार न मानना	2x5=10 5
(ख)	आज की सभ्यता नदियों के प्रति उदासीन- • कारखाने के रसायन मिश्रित पानी को नदियों में बहाना • अपशिष्ट पदार्थ, प्लास्टिक की थैलियों के प्रयोग से नदियों के प्रवाह को बाधित करना • नदियों के रखरखाव और सफ़ाई के प्रति ध्यान न देना • नदियों का रूप बिगड़ना और नालों के समान दिखाई देना	5
(ग)	• रोचक शैली में ग्रामीण जीवन और प्राकृतिक परिवेश का वर्णन • वनस्पतियों, पेड़-पौधों, वन्य जीवों और फूलों की नाना प्रकार की किस्मों का परिचय • ग्रामीण जीवन पूरी तरह से प्रकृति पर आश्रित • औषधीय गुणों से भरपूर फूल • पेड़-पौधे फोड़े फुंसियाँ ठीक होने में विशेष लाभकारी ग्रामीण परिवेश का वर्णन • पाठ मन पर अमिट छाप छोड़ता है • प्रकृति की और लौटने का संदेश समेटे हुए है	5

>>